THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Geological Survey of India (GSI), have established a total reserves of 6276.53 million tonnes of coal in Vidharbha region of Maharashtra till 1-1-1993 out of which 3169.88 million tonnes are in proved category.

(b) Non-coking variety of grades D to F

(c) These coal reserves are considered adequate to meet the coal requirement of Maharashtra State Electricity Board's Chandrapur Thermal Power Station (2340 MW) for its entire working life.

भारी मशीनों के आयात के लिए कोल इंडिया लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा लिया गया ऋण

*153. **श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवान** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोल इंडिया लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की किन-किन परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक सहित विदेशों से ऋण लेकर भारी मशीनों का आयात किया गया है;

(ख) ऐसी कुल कितनी मशीनें हैं और इनमें से कितनी मशीनें कार्य कर रही हैं;

(ग) क्या यह सच है कि इन कंपनियों को इन अप्रयुक्त पड़ी मशीनों की खरीद की वजह से हजारों रुपये ब्याज के रूप में देने होंगे;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस मामले में समुचित कार्यवाही करने पर विचार कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में कब तक कार्यवाही की जायेगी; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मन्त्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) उन परियोजनाओं के नाम नीचे दिए गए हैं जिनके संबंध में विश्व बैंक/द्विपक्षीय करारों के अंतर्गत भारी मशीने आयात की गई है:–

क्र०सं०	परियोजना का नाम (कंपनी)	खान की किस्म	ऋण का स्रोत
1	2	3	4
1	पिपरवार (से०को०लि०)	ओपनकास्ट	आस्ट्रेलिया
2	राजमहल (ई०को०लि०)	वही	कनाडा
3	ब्लाक-II (भा०को०को०लि०)	वही	आई०बी०आर०डी० अर्थात (विश्व बैंक)
4	दुधीचुआ (ना०को०लि०)	वही	आई०बी०आर०डी०
5	गेवरा (सा०ई०को०लि०)	वही	वही
6	सोनपुर बाजारी (ई०को०लि०)	वही	वही
7	अमलौरी (ना०को०लि०)	वही	यू० के०
8	निगाही (ना०को०लि०)	वही	तात्कालीन सोवियत संघ से रूबल उधार
9	खादिया (ना०को०लि०)	वही	वही

1	2	3	4
10	मुकन्दा फायर (भ०को०को०लि०)	ओपनकास्ट	तात्कालीन सोवियत संघ से रूबल उधार
11	झांझरा (ई०को०लि०)	भूमिगत	वही
12	ईस्ट कटरास (भा०को०को०लि०)	वही	फ्रांस
13	कोटाडीह (ई०को०लि०)	वही	वही
14	गोमलीवक (भा०को०को०लि०)	वही	जर्मनी
15	मूनीडीह (भा०को०को०लि०)	वही	पोलैण्ड

इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लि० ने यू० के० के ओवरसीज विकास अभिकरणों की सहायता से यू० के० से निम्नलिखित 9 लॉगवाल सैटों की भी खरीद की हैं :–

1	मूनीडीह (भा०को०को०लि०)	भूमिगत	4 सैट
2	धेमोमैन (ई०को०लि०)	वही	2 सैट
3	सीतलपुर (ई०को०लि०)	वही	1 सैट
4	चुरचा (सा०ई०को०लि०)	वही	1 सैट
5	पाथाखेरा (वे०को०लि०)	वही	1सैट

(ख) विश्व बैंक ऋण तथा द्विपक्षीय ऋण करारों के अंतर्गत आयात किए गए कुल उपकरणों की संख्या 500 हैं। इनमें से 28 उपकरण खराब पड़े हैं, 208 उपकरण लगाये जा रहे हैं तथा शेष परिचालन में हैं। कोल इंडिया लि० द्वारा ओवरसीज विकास अभिकरण (ओ०डी०ए०) के माध्यम से यू०के० से खरीदे गए 9 लॉगवाल सैटों में से मुनीडीह में एक सैट को उसके समय का अच्छा उपयोग करने के पश्चात् 1990 में उसका पर्यावलोकन किया गया है। यू०के० के अन्य सैट परिचालन में हैं। धेमोमैन के लॉगवाल सैट (2 सैट) सीतलपुर, चुरचा तथा पाथाखेड़ा फिलहाल कार्यचालन में नहीं है तथा मुनीडीह में दो पोलैण्ड के सैटों में से एक ओवरहाल के अधीन है। पोलैण्ड के 2 सैटों की तुरन्त खरीद की गई थी।

(ग) प्रत्येक ऋण करार/संविदा में की गई व्यवस्था के अनुसार ऋण पर ब्याज की अदायगी की जानी अपेक्षित है। करार के अंतर्गत खराब हुए/प्रयोग में न लाये गए/लगाये जाने वाले उपकरणों, आदि के लिए अलग से ब्याज देय की व्यवस्था नहीं है। किंतु, प्रयोग में न लाये गए उपकरणों के संबंध में ब्याज पर व्यय को कम करने तथा समाप्त किए जाने के लिए बड़े उपकरणों की उपयोगिता क्षमता के संबंध में निरन्तर प्रबोधन किया जाता है।

(घ) और (ङ) खराब हो गए उपकरणों के संबंध में उनकी मरम्मत करने तथा/या उन्हें बदलने के लिए पहले ही कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है। भारी उपकरणों की बड़ी संख्या तथा कार्य की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए कुछ उपकरणों का खराब होना स्वाभाविक है। जैसे ही उपकरण प्राप्त होते हैं उन्हें चालू किए जाने के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाती है।

(च) प्रश्न ही नहीं उठता है।